पंजीयन क्र. 2672 दिनांक 7.3.72 दूरभाष/फैक्स क्र. 0761-2426110

सरस्वती शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश
विद्या भारती महाकोशल प्रान्त

नरसिंह मंदिर के पीछे, शास्त्री ब्रिज, जबलपुर-482002

e-mail : parishadjbp@gmail.com
web site : vidyabhartimahakoshal.org

परिपत्र क्र. 3/2017–18 दिनांक : .07.2017

प्रति,

श्रीमान व्यवस्थापक/प्राचार्य/प्रधानाचार्य
सरस्वती शिशु मंदिर, उच्च. माध्य. विद्यालय
महाकोशल प्रांत

विषयः संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच एवं बौद्धिक प्रतियोगिता 2017–18

आदरणीय बंधुवर,

सप्रेम नमस्कार,

शिक्षा किसी भी देश की सभ्यता और संस्कृति का अनिवार्य अंग है। शिक्षा के द्वारा न केवल व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, वरन् सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी किया जाता है, नई पीढ़ी अपनी संस्कृति के प्रति आस्था और निष्ठा उसी दिशा के माध्यम से रख सकती है, जिसका आधार उसकी अपनी संस्कृति हो। विश्व में प्रत्येक देश अपनी संस्कृति, परम्पराओं, जीवन मूल्यों, ज्ञान–विज्ञान एवं महापुरुषों के अनुभवों को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में भावी पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सौंपने का प्रयास करता है। भारत की महान् आध्यात्मिक संस्कृति, श्रेष्ठ परम्पराएँ, जीवन मूल्य, महापुरुषों के आदर्श जीवन –चरित्र तथा यहाँ का ज्ञान–विज्ञान इस देश की ही नहीं, विश्व की अमूल्य निधि माने जाते है। इस निधि को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए विद्यालय स्तर से अखिल भारतीय स्तर तक संस्कृति बोध प्रश्नमंच एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। सत्र 2017–18 में निम्नानुसार इन प्रतियोगिताओं की विद्यालय स्तर से प्रभावी आयोजन की योजना बनाकर भैया–बहिनों के सर्वांगीण विकास में सहभागी बनें।

प्रतियोगिता की वर्ग रचना–

(1) शिशु वर्ग – कक्षा चतुर्थ एवं पंचम्
(2) बाल वर्ग – कक्षा षष्ठम् से अष्टम् तक
(3) किशोर वर्ग – कक्षा नवम् से द्वादश तक
(4) तरूण वर्ग – कक्षा एकादश से द्वादश (केवल प्रश्नमंच एवं पत्र वाचन)

प्रतियोगिता का आयोजन स्तर–

(1) विद्यालय स्तर – तिथि का निर्धारण प्राचार्य/प्रधानाचार्य करेंगे।
(2) जिला स्तर – तिथि, स्थान एवं शुल्क का निर्धारण जिला सचिव/विभाग समन्वयक करेंगे।
(3) विभाग स्तर – तिथि, स्थान एवं शुल्क का निर्धारण विभाग समन्वयक करेंगे।
(4) प्रान्त स्तर – दिनांक 14, 15 अक्टूबर 2017
उद्घाटन–14 अक्टूबर, अपरान्ह 3.00 बजे से

स्थान–बैढ़न, जिला–सिंगरौली
शुल्क–350/– प्रति विद्यार्थी एवं संरक्षक आचार्य

सम्पर्क – अंजनीनंदन चतुर्वेदी, प्राचार्य
मोबा. : 9926458295

(5) क्षेत्र स्तर – दिनाँक 6, 7 नवम्बर 2017 कृष्ण नगर सतना
दिनाँक 5 नवम्बर की रात्रि तक सतना पहुँचना
6 नवम्बर को प्रातः 10 बजे उद्घाटन समापन
7 नवम्बर सायंकाल

सम्पर्क – विष्णुकांत त्रिपाठी, प्राचार्य
मोबा.: 7987583551
शुल्क–400/– प्रति विद्यार्थी एवं संरक्षक आचार्य
(शुल्क प्रांत द्वारा प्रवास व्यय विद्यालय द्वारा देय होगा)

(6) अखिल भारतीय स्तर – दिनांक 13 नवम्बर से 16 दिसम्बर 2017 तक
स्थान–राष्ट्रोत्थान विद्या केन्द्र, थानीसेन्द्रा मेन रोड
अर्कावती ले आउट हेडगे नगर, बैंगलुरु–560045
शुल्क–600 + 50 (पंजीयन) प्रति विद्यार्थी एवं संरक्षक आचार्य

सम्पर्क –

क्षेत्रीय बौद्धिक समारोह में प्रतिभागी संख्या

(प्रत्येक प्रांतीय समिति से)

क्र.	प्रतियोगिता	शिशु वर्ग	बाल वर्ग	किशोर वर्ग	तरूण वर्ग	योग
1.	व्यक्तिगत गीत	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4
2.	निबंध	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4
3.	रंगोली	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4
4.	ता. भाषण	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4
5.	चित्रकला	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4
6.	गीता पाठ	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4
7.	प्रश्न मंच	03 केवल विजेता दल	03 विजेता दल	03 विजेता दल	03 विजेता दल	12
8.	तबला वादन	1+1 प्रथम	1+1 प्रथम	2+2 प्रथम व द्वितीय	0	8
9.	एकल अभिनय	01 प्रथम	01 प्रथम	02 प्रथम व द्वितीय	–	4

क्र.	प्रतियोगिता	शिशु वर्ग	बाल वर्ग	किशोर वर्ग	तरूण वर्ग	योग
10.	मानस अंत्याक्षरी	3	3	3	–	9
11.	पत्र वाचन	1	1	1	1	4
12.	शास्त्रीय नृत्य	1+2	1+2	1+2	–	9
13.	शास्त्रीय गायन	1+2	1+2	1+2	–	9
14.	आचार्य पत्र वाचन	–	–	–	1	1
	योग	17+5 = 22	17+5 = 22	25+6 = 31	5	80

विशेषः

1. क्षेत्र में कुल आठ प्रांतीय समितियाँ सहभागी होंगी। प्रत्येक प्रांत में एक नगरीय विद्यालय व एक ग्रामीण विद्यालय की प्रांतीय समिति।
2. ग्राम भारती के केवल शिशु एवं बाल वर्ग में 44 सहभागी होंगे, किशोर वर्ग में नहीं।
3. प्रत्येक प्रांतीय समिति से प्रतिभागियों की अपेक्षित संख्या ग्राम भारती से 44 तथा नगरीय से 80 रहेगी।
4. आवश्यकतानुसार संरक्षक आचार्य प्रांतीय समिति सुनिश्चित करेगी।

बौद्धिक प्रतियोगिताएँ

प्रतियोगिता के समूह निम्नानुसार रहेंगे–

समूह 'क' 1. व्यक्तिगत गीत (हिन्दी/संस्कृत) 2. निबंध प्रतियोगिता 3. रंगोली प्रतियोगिता

समूह 'ख' 1. चित्रकला 2. गीता पाठ 3. तात्कालिक भाषण

समूह 'ग' 1. प्रश्नमंच 2. पत्र वाचन (पत्र वाचन) आचार्य एवं भैया बहिन

समूह 'घ' 1. शास्त्रीय गायन 2. शास्त्रीय नृत्य 3. तबला वादन 4. मानस अंत्याक्षरी 5. एकल अभियन

समूह 'ङ' 1. एकल भजन गायन 2. स्वरचित कविता पाठ 3. वंदे मातरम् गायन

प्रश्नमंच एवं बौद्धिक प्रतियोगिता के नियम–

1. प्रत्येक प्रतियोगिता के समाप्त होने पर विजेता के नामों की घोषणा तत्काल की जाएगी।
2. भैया/बहिन क्रीड़ा प्रतियोगिता/बौद्धिक प्रतियोगिता/विज्ञान मेला/वैदिक गणित इन प्रतियोगिताओं में से किसी एक प्रतियोगिता में ही भाग ले सकता है।
3. सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं में से प्रतिभागी किसी दो प्रतियोगिताओं में ही भाग ले सकेगा।
4. जिले से प्रांत स्तर तक केवल प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी ही भाग लेंगे। क्षेत्र स्तर पर शिशु एवं बाल वर्ग के केवल प्रथम प्रतिभागी किशोर वर्ग के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी ही भाग ले सकेंगे। प्रश्न मंच में क्षेत्र स्तर तक केवल विजेता दल ही भाग लेंगे।
5. समूह क एवं समूह ख एवं समूह घ की प्रतियोगिताएँ क्षेत्र स्तर तक होगी ।
   समूह ग की प्रतियोगिताएँ अखिल भारतीय स्तर तक
   समूह ङ की प्रतियोगिताएँ प्रांत स्तर होगी
   समूह ग में भाग लेने वाले प्रतिभागी अन्य प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे।
6. प्रतियोगिता संबंधी जो नियम दिए गए हैं, उनमें से किसी भी प्रकार का परिवर्तन न करें।
7. संस्कृति बोध माला प्रश्नमंच किशोर एवं तरूण वर्ग के लिए अलग–अलग होगा। किशोर वर्ग में कक्षा 9 एवं 10 तथा तरूण वर्ग में कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थी भाग लेंगे। प्रश्नमंच प्रतियोगिता शिशु से लेकर तरूण वर्ग तक अखिल भारतीय स्तर तक होगी।
8. क्षेत्र में होने वाली प्रतियोगिता में ग्राम भारती के शिशु एवं बाल वर्ग का प्रांतीय विजेता दल सीधे भाग लेगा।

समूह–क

1. व्यक्तिगत गीत–

(1) गीत हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में होना चाहिए।

(2) व्यक्तिगत गीत में प्रस्तावना न दें।

(3) गीत में न्यूनतम दो चरण और अधिकतम तीन चरण होने चाहिए।

(4) वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जा सकता है।

(5) गीत राष्ट्रभक्तिपरक एवं प्रेरणा देने वाला होना चाहिए।

(6) क्षेत्रीय एवं अन्य भाषा का गीत मान्य नहीं होगा।

व्यक्तिगत गीत–50 अंक

बिन्दु	स्वर	उच्चारण शुद्धता	लय/ताल	प्रस्तुतिकरण	श्रोताओं पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

2. निबंध प्रतियोगिता–

इसकी समय सीमा अधिकतम 60 मिनट होगी। प्रत्येक वर्ग को निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखना होगा। जिसे प्रतियोगिता स्थल पर ही निर्णायक द्वारा पर्ची उठाकर वर्गशः कोई एक विषय निश्चित किया जाएगा तथा श्याम पट पर उसे लिखा जाएगा। प्रत्येक वर्ग के सभी प्रतिभागी इसी निश्चित विषय पर निबंध लिखेंगे।

शिशु वर्ग–

1. तुलसी पौधा
2. भक्त प्रहलाद
3. गुरु गोविंद सिंह का बचपन
4. माँ यशोदा
5. केवट
6. गौ माता

बाल वर्ग–

1. व्यवस्थित दिनचर्या की उपयोगिता
2. मातृदेवो भव
3. मातृभाषा
4. मां नर्मदा
5. मेरी बहिन
6. योग और स्वास्थ्य

किशोर वर्ग–

1. नमामि देवी नर्मदे
2. मंगल भवन अमंगल हारी
3. सिख गुरुओं की बलिदानी परम्परा
4. स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत
5. सर्वे भवन्तु सुखिनः
6. नाना जी देशमुख की संकल्पना और प्रयोग
7. समग्र ग्राम विकास

निबंध प्रतियोगिता–50 अंक

बिंदु	विषय वस्तु	मौलिक सोच	सुलेख एवं शुद्ध लेखन	भाषा शैली	मूल्यांकनकर्ता पर प्रभाव/तत्व एवं तथ्य	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

3. रंगोली प्रतियोगिता–

(1) रंगोली प्रतियोगिता के लिए 2 x 2 फिट का स्थान नियत रहेगा। जिस पर क्रम संख्या अंकित रहेगी। प्रत्येक क्रम के बीच 2 फीट का अंतर आवश्यक है।

(2) समयसीमा अधिकतम 60 मिनट रहेगी।

(3) प्रतिभागी को रंगोली बनाने के लिए स्थान क्रमांक का निर्धारण स्वयं चिट उठाकर करना होगा।

(4) प्रतिभागी चॉक/पेंसिल से रेखांकन न करें, न ही किसी उपकरण का उपयोग करें।
(5) रंगोली के विषय सभी वर्गों में प्रतिभागी को अल्पना अथवा चौक पूरना एवं विभिन्न सांस्कृतिक चिन्ह बनाए जा सकते हैं। रंगोली में देवी देवता अथवा महापुरुषों के चित्र न हों।
(6) रंगोली में रंगों के अतिरिक्त अन्य सामग्री का प्रयोग वर्जित है। (काले रंग का प्रयोग वर्जित है।)

रंगोली प्रतियोगिता–50 अंक

बिन्दु	रूपांकन	रंग संयोजन	कला पक्ष रूढ़ि/परम्परा	विषय वस्तु	दर्शकों पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

समूह–ख

1. चित्रकला–

(1) अधिकतम समय सीमा 60 मिनट होगी।
(2) शिशु तथा बाल वर्ग को ड्राइंग शीट का चौथाई भाग तथा किशोर वर्ग को आधा भाग दिया जाएगा।
(3) सभी वर्गों में स्केच पेन का प्रयोग वर्जित है।

शिशु वर्ग–

पेंसिल एवं मोम रंग से स्वयं के चुने हुए विषय पर चित्र बनाना है।

बाल वर्ग–

जल रंग द्वारा **भारतमाता/मीराबाई/डॉ. गुरुगोविंदसिंह** में से किसी एक का चित्र बनाना है। चित्र का निर्णय निर्णायक द्वारा चिट उठाकर किया जाएगा। (चित्र की आकृति विद्या भारती कुरूक्षेत्र द्वारा प्रकाशित चित्रमाला पर आधारित होना चाहिए।) चित्र प्रतियोगिता स्थान पर प्रतिभागियों के सम्मुख रखा जाना चाहिए।

किशोर वर्ग–

जल रंग से निम्नांकित में से किसी एक विषय का चयन निर्णायक द्वारा चिट उठकर किया जाएगा। चित्र उसी पर आधारित होगा।

1. पंचवटी 2. जल ही जीवन है 3. सीमा के प्रहरी
4. गौ संवर्धन 5. श्री रामजन्मभूमि

चित्रकला प्रतियोगिता–50 अंक

बिन्दु	रूपांकन	रंग संयोजन	कला पक्ष	रेखांकन	प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

2. गीता पाठ–

(1) भैया/बहिनों को वर्ग के सम्मुख दर्शाए गए गीता के अध्याय को कंठस्थ करना होगा।
शिशु वर्ग – द्वादश अध्याय (सम्पूर्ण)
बाल वर्ग – त्रयोदश अध्याय (प्रथम 30 श्लोक)
किशोर वर्ग – चतुर्दश अध्याय (प्रथम 30 श्लोक)
(2) निर्णायक कहीं से भी पाँच श्लोक चुनेंगे।
(3) श्लोकों का चयन प्रतिभागी चिट उठकर स्वयं करेंगे।

(4) चिट पर श्लोक संख्या अंकित रहेगी तथा प्रारंभ करने के लिए चिट पर प्रथम श्लोक का प्रथम शब्द भी अंकित होगा।

(5) बाल वर्ग के भैया/बहिनों को उसके द्वारा बोले गए किसी एक श्लोक का भावार्थ स्पष्ट करना होगा।

(6) किशोर वर्ग के प्रतिभागी का उसके द्वारा बोले गए पाँच श्लोकों में से किसी एक का भाव स्पष्ट करना और उसे दिए गये कागज पर शुद्ध लिखना होगा।

गीता पाठ (शिशु वर्ग)–50 अंक

बिन्दु	पाठ की शुद्धता	कंठस्थीकरण	लय	प्रस्तुतिकरण	श्रोताओं पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

गीता पाठ (किशोर एवं बाल वर्ग)–50 अंक

बिन्दु	पाठ की शुद्धता	भाव/लेखन स्पष्टता	लय	प्रस्तुतिकरण	श्रोताओंपर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

3. तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता–

सभी वर्गों में विषय का चयन प्रतिभागी चिट उठाकर करेंगे।

शिशु वर्ग – समय सीमा 3 मिनट

विषय – 1. जल प्रदूषण 2. गुरु भक्ति 3. रानी लक्ष्मीबाई
4. उद्यान 5. स्वास्थ्यवर्धक पेय 6. वीर बालक शिवाजी

बाल वर्ग – समय सीमा 3 मिनट

विषय – 1. कुल दीपक 2. वैज्ञानिक भाषा संस्कृत 3. सात्विक आहार
4. आदर्श निर्वाचन 5. संचार क्रांति 6. वृक्ष और जल बेहतर कल

किशोर वर्ग – समय सीमा 4 मिनट

विषय– 1. कौशल विकास 2. बालश्री पुरस्कार
3. प्रकृति विरूद्ध आहार से हानि 4. स्वभाषा से स्वाभिमान
5. नारी तू नारायणी 6. अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा

तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता–50 अंक

बिन्दु	विषय वस्तु	तथ्य	अभिव्यक्ति	प्रस्तुतिकरण	श्रोताओं पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

समूह–ग

(अ) प्रश्न मंच–

(1) इस संबंध में विद्या भारती संस्कृति बोध परियोजना में दी गई नियमावली एवं विवरणिका का अवलोकन करें। उसमें दिए गए विवरणानुसार सभी नियम यथावत रहेंगे।

(2) प्रश्न मंच में सभी पुस्तकें नवीनतम संस्करण की ही मान्य होंगी। पुस्तकों में संशोधन/परिवर्तन होता रहता है।

(3) प्रश्न मंच प्रतियोगिता हमारे यहाँ निष्पक्ष रूप से संपन्न होती है। इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए प्रश्न संच निर्माण की विधि इस वर्ष निम्नानुसार रहेगी।

(1) कक्षा स्तर पर–

प्रत्येक कक्षा में तीन–तीन भैया/बहिनों के मान से जितने दल बन सकें, उतने दल बनाकर प्रश्नमंच संपन्न कराना है। सभी भैया/बहिनें प्रतिभागी बनें ऐसा प्रयास करें। प्रश्न निर्माणकर्ता तथा प्राश्निक कक्षाचार्य न रहें। वर्ग एवं कक्षा स्तर पर वर्ग एवं कक्षा बदलकर प्रश्नों का निर्माण कराया जाए। उदाहरण के लिए–

शिशु वर्ग कक्षा 4 के लिए कक्षा 5 तक के आचार्य द्वारा तथा कक्षा 5 में कक्षा 4 के आचार्यों द्वारा प्रश्न का निर्माण किया जाए सभी प्रश्नों को एक सील बंद लिफाफे में रखकर प्रतियोगिता स्थल पर ही खोला जाए। यही प्रक्रिया बाल/किशोर/तरुण वर्गों में अपनाई जावे।

(2) विद्यालय स्तर पर–

कक्षा स्तर पर विजेता दल विद्यालय स्तर के प्रश्नमंच में सहभागी होगा। इस प्रश्नमंच को समारोहपूर्वक आयोजित करें। प्रश्न निर्माण एवं प्राश्निक के रूप में नगर से किसी योग्य व्यक्ति का चयन करें उन्हें प्रश्नमंच की नियमावली से भली भाँति अवगत कराकर प्रश्नमंच संपन्न कराएँ।

(3) जिला स्तर पर–

जिला स्तर पर प्रश्न संच विभाग समन्वयक उपलब्ध कराएंगे। अपने विभाग के जिलों से ही प्रश्न संच तैयार कराकर विभाग में ही जिला बदलकर प्रश्न संच भेजे जाएंगे। प्रश्नों के लिफाफे व्यवस्थित रहेंगे, जिन्हें प्रतियोगिता स्थल पर सभी के समक्ष खोला जावे।

(4) विभाग स्तर पर–

विभाग स्तर पर प्रांत के सभी विभागों से प्रश्न संच बुलाए जाएंगे। इनकी व्यवस्था संस्कृति बोध परियोजना के प्रांत प्रमुख देखेंगे तथा सभी विभागों से प्रश्न संच बुलाकर विभाग बदलकर प्रश्न संच भेजेंगे। लिफाफे प्रतियोगिता स्थल पर सभी के सम्मुख खोले जाएंगे।

(5) प्रांत स्तर पर–

प्रश्न संच की व्यवस्था प्रांतीय समिति द्वारा होगी। प्रश्न संच निर्माण कार्यशाला .....
स्थान–परिषद कार्यालय, जबलपुर

(6) क्षेत्र स्तर पर–

क्षेत्र विषय प्रमुख इसकी व्यवस्था करेंगे।

(क) प्रश्नों का निर्माण–

प्राश्निक प्रश्न तैयार करते समय विद्या भारती विवरणिका के नियमों का पालन करें।

(1) प्रश्न ऐसे हों, जिनका उत्तर संक्षिप्त प्रायः एक शब्द, वाक्यांश अथवा एक–एक वाक्य में हो तथा वे जिज्ञासामूलक, चिंतन प्रेरक तथा संस्कार बोधक हो सके।

(2) प्रश्न में अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने के लिए उत्तर ऐसा हो कि संकेत शब्द, स्थान, समय, व्यक्ति, दिशा, कारण आदि मिल सके ताकि उत्तर समझने में भ्रम न हो।

(3) समान स्तर के प्रश्न प्रत्येक पुस्तक से छांटे जाए प्रश्नों की श्रृंखला में लगभग एक ही स्तर के प्रश्नों का होना अपेक्षित है। निरंतर श्रृंखलाओं का स्तर क्रमशः ऊँचा होना चाहिए।

(4) प्रश्नमंच में व्याख्यात्मक तथा विश्लेषणात्मक प्रश्नों के लिए कोई स्थान नहीं है, क्योंकि ऐसे प्रश्नों के उत्तर प्रायः लंबे होते हैं। प्रश्न ऐसे हों जिनका उत्तर संक्षिप्त अर्थात् प्रायः एक शब्द वाक्यांश अथवा एक वाक्य में ही हो।

(5) प्रश्न तथ्यों पर आधारित होंगे। ये प्रश्न किसी एक तथ्य पर अथवा दो या दो से अधिक तथ्यों के पारस्परिक संबंध पर आधारित हो सकते हैं ताकि वे जिज्ञासामूलक, चिन्तन प्रेरक तथा संस्कार बोधक हो सके।

(6) प्रश्न वस्तुनिष्ठ, अनेक दिए गए उत्तरों में से ठीक उत्तर छाँटो तुलनात्मक अथवा अन्य किसी प्रकार के भी हो सकते हैं। दृश्य–श्रृव्य माध्यम का प्रयोग करके भी प्रश्न प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

(7) प्रश्न, पुस्तक में दी गई भाषा तथा शैली एक जैसी होना आवश्यक नहीं है। सामग्री को आधार मानकर प्रश्नों की भाषा शैली विविध प्रकार की हो सकती है।

(8) प्रश्नों को किसी एक भाग में दी गई सामग्री पर आधारित होना आवश्यक नहीं है। एक प्रश्न में ही पाठ्यक्रम में अलग–अलग पर दी गई सामग्री का भी समावेश हो सकता है।

(9) प्रश्न सटीक हो तथा पुस्तक में उनमें से एक से अधिक उत्तर प्राप्त न हो। परन्तु यदि पुस्तक में एक से अधिक उत्तर प्राप्त हों तो दोनों को सही मानकर अंक दिए जावें तथा इसकी सूचना कुरूक्षेत्र कार्यालय भेजें।

(10) प्रश्न की भाषा यथासंभव सरल, सुबोध तथा स्पष्ट होगी। प्रश्न का एक ही अर्थ निकलना अपेक्षित है भिन्न अर्थ होने की स्थिति में सही निर्णय ही सर्वमान्य होगा।

(11) प्रश्न में अपेक्षित उत्तर का संकेत शब्द, स्थान, समय, व्यक्ति, दिशा, कारण आदि स्पष्ट रहेगा ताकि उत्तर समझने में भ्रम न हो।

(12) प्रश्नों तथा उत्तरों का आकार यथासंभव छोटा रहेगा।

1. प्रश्नों के संभावित प्रकार–

(1) सामान्य प्रश्न– (संक्षिप्त उत्तर वाले)
प्रश्न–भारत के राष्ट्रीय पक्षी का नाम बताओ।

(2) वैकल्पिक उत्तर वाले (दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर बताना)
प्रश्न–इनमें से कौन सा ग्रंथ गोस्वामी तुलसीदास दासजी द्वारा रचित है।
(अ) रामायण (ब) विनय पत्रिका (स) रामचंद्रिका (द) राम की शक्ति पूजा

(3) सत्य/असत्य पूछना (हाँ/नहीं के प्रश्न)
प्रश्न–यह कथन सत्य है अथवा असत्य
जगन्नाथपुरी धाम उड़ीसा राज्य में है।
यदि कथन सत्य है तो उसका सही उत्तर भी बताना होगा।

(4) शेष जानकारी (पूरक उत्तर) पूछना (कुछ जानकारी देकर शेष पूछना)
प्रश्न–पुरुषार्थ चार हैं: पहला–धर्म, दूसरा–अर्थ, तीसरा–काम, तो चौथा–पुरुषार्थ कौन सा है?

(5) माता/पिता/गुरु/शिष्य का नाम बताइए।

(6) काल गणना के प्रश्न (सही तिथि/दिनाँक बताएं)

(7) श्लोक/दोहा पूछना (भाव बताकर श्लोक/दोहा पूछना) कविता/श्लोक की पंक्ति पूर्ण करें।

(8) सामान्य प्रश्न

(9) गीत का ध्रुपद बताकर अंतरा पूछना–

2. प्रश्नोत्तर विधि–

(1) प्रश्न तैयार करने वाले प्राश्निक प्रश्न नहीं पूछेंगे अपितु इसकी व्यवस्था विद्यालय के आचार्यों को छोड़कर नगर के विद्वतजनों में से की जाएगी।

(2) प्रतिभागियों की बैठक व्यवस्था चिट डालकर की जाए। प्रश्नकर्ता पहला प्रश्न पहले दल से, दूसरा प्रश्न दूसरे दल से, तीसरा प्रश्न तीसरे दल से, क्रमशः पूछना प्रारंभ करेंगे। दूसरे दौर में यह क्रम बदल जाएगा अर्थात् दूसरे दौर का पहला प्रश्न दूसरे दल से, दूसरा प्रश्न तीसरे

दल से, दूसरा प्रश्न पहले दल से एवं तीसरा प्रश्न दूसरे दल से पूछेंगे। कहने का आशय यह है कि प्रत्येक दौर में नए दल का प्रश्न पूछा जाए। पुनः 12 प्रश्नों तक यही क्रम दोहराया जाए। किसी भी दल से लगातार प्रश्न न पूछा जाए। (यदि पुस्तक में एक से अधिक उत्तर प्राप्त हो तो दोनों को ही सही मानकर समान अंक दिए जाए तथा इसकी सूचना कुरूक्षेत्र कार्यालय को दी जाए)

(3) इस प्रकार सभी पुस्तकों से प्रश्न पूछने का एक चक्र कहा जाएगा। 12 प्रश्नों में यदि निर्णय नहीं होता है, तो समान अंक पाने वाले दलों से दूसरे चक्र में पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। दूसरे चक्र में निर्णय न होने पर तीसरे चौथे चक्र में तीन–तीन प्रश्न पूछकर परिणाम निकाला जाएगा। निर्णय नहीं होने पर एक–एक प्रश्न पूछकर परिणाम निकाला जावेगा।

(4) प्रतिभागी दलों के अंकों की गणना सामने रखे गए, श्यामपट पर की जाएगी। एक गणक कागज पर भी अंक तालिका की पूर्ति करें।

(5) प्रश्न एक ही बार बोला जाएगा।

(6) प्रश्न का उत्तर देने के लिए 25 सेकेण्ड का समय रहेगा। समय गणना पूरा प्रश्न पूछे जाने के तुरंत बाद आरंभ होगी। 20 सेकेण्ड बीतने पर चेतावनी की घंटी बजेगी। 25 सेकेण्ड का समय बीतने पर दो घंटी बजाकर समय पूरा होने की सूचना दी जावेगी।

(7) पुस्तक में लिखा उत्तर ही सही उत्तर माना जावेगा। यह उत्तर पुस्तक में दी गई सामग्री पर ही आधारित होगा और वही सही उत्तर माना जावेगा। उत्तर देने में तीनों प्रतिभागी आपस में परामर्श कर सकेंगे। तीनों में से किसी एक के द्वारा दिया गया उत्तर स्वीकार किया जावेगा। प्रथम दिया गया उत्तर ही अंतिम उत्तर होगा।

(8) अस्पष्ट, अधूरे, गलत अथवा कोई उत्तर न दिए जाने की दशा में प्रतिभागी टीम को शून्य अंक मिलेगा। पूरा, सही और समय पर दिए गए उत्तर का पूरा अंक प्रतिभागी टीम को मिलेगा।

(9) उच्चारण में भिन्नता स्वीकार होगी यद्यपि उत्तर की शुद्धता अनिवार्य है। उत्तर के सही या गलत होने की घोषणा प्राश्निक उच्च स्वर में करेंगे। गलत उत्तर होने पर कार्ड के आधार पर सही उत्तर की घोषणा भी प्राश्निक उच्च स्वर में करेंगे। उसी के अनुसार प्रतिभागी टीमों के अंकों की गणना सामने रखें गये श्यामपट पर सही व गलत चिन्हों द्वारा दर्शाई जावेगी।

(10) उत्तर के सही, पूर्ण तथा समय में दिये जाने का निर्णय प्राश्निक महोदय प्रश्न कार्ड में दिए गए उत्तर के आधार पर करेंगे। इस विषय में प्राश्निक महोदय का निर्णय मान्य होगा परंतु किसी संभ्रम की स्थिति में निर्णायक महोदय का निर्णय सर्वमान्य होगा।

(3) प्रश्नों की संख्या एवं अंक विभाजन–

- प्रतियोगिता में प्रश्नों का एक चक्र होगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रश्नों का दूसरा, तीसरा अथवा चौथा क्रम भी हो सकेगा। प्रथम चक्र में 12 प्रश्न होंगे। प्रत्येक पुस्तक से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रश्न की एक श्रृंखला होगी। प्रत्येक श्रृंखला में समान स्तर के उतने ही प्रश्न होंगे जितने की प्रतिभागी दल रहेंगे। इस प्रकार प्रश्न कार्डों की कुल संख्या प्रतिभागी दल की संख्या के 12 गुणा के बराबर होंगे।
- प्रश्न तथा उनके उत्तर कार्डों को मिलाकर उनकी क्रम संख्या निर्धारित करके उन्हें उसी क्रम में बाँधकर रखा जावेगा।

वर्ग	पुस्तक का नाम	चक्र एवं प्रश्न संख्या				
शिशु वर्ग–(कक्षा 4 से 5 तक)		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रश्नोत्तरी कक्षा–4 (2016–17)	3	1	–	1	
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रश्नोत्तरी कक्षा 5 (2016–17)	3	1	1	–	
●	प्रेरणादीप भाग–1 (चतुर्थ संस्करण)	3	1	1	1	
●	हमारे राष्ट्र निर्माता भाग–1 प्रथम 15 पाठ (अष्टम संस्करण)	3	2	1	1	
	कुल	12	5	3	3	–

वर्ग	पुस्तक का नाम	चक्र एवं प्रश्न संख्या			
बाल वर्ग– (कक्षा 6 से 8 तक)		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 6 (2016–17)	2	1	–	–
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 7 (2016–17)	2	1	–	–
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 8 (2016–17)	2	1	–	–
●	व्या. खगोल परिचय प्रथम 6 पाठ (पंचम संस्करण)	1	1	1	1
●	प्रेरणादीप भाग–2 (चतुर्थ संस्करण)	2	1	–	1
●	हमारे राष्ट्रनिर्माता भाग–1 पाठ 16 से 32 तक (अष्टम संस्करण)	2	–	1	–
	परमवीर छत्रसाल	1	–	1	1
	कुल	12	5	3	3

वर्ग	पुस्तक का नाम	चक्र एवं प्रश्न संख्या			
किशोर वर्ग–(कक्षा 9 से 10 वीं)		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 9 (2016–17)	2	1	–	–
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 10 (2016–17)	2	1	–	–
●	व्या. खगोल परिचय (पंचम संस्करण)	2	1	1	–
●	प्रेरणादीप भाग–3 (चतुर्थ संस्करण)	1	1	1	1
●	हमारे राष्ट्रनिर्माता भाग–2 पाठ 1 से 25 (सप्तम् संस्करण)	2	–	1	1
●	सामाजिक समरसता और हमारे संत	2	–	–	1
●	हमारे छत्रसाल	1	1	–	–
	कुल	12	5	3	3

वर्ग	पुस्तक का नाम	चक्र एवं प्रश्न संख्या			
तरूण वर्ग–(कक्षा 11 से 12 वीं)		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 11 (2016–17)	2	1	–	–
●	संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा 12 (2016–17)	2	1	–	–
●	व्या. खगोल परिचय (पंचम संस्करण)	2	1	1	–
●	प्रेरणादीप भाग–4 (द्वितीय संस्करण)	1	1	1	1
●	हमारे राष्ट्रनिर्माता भाग–2 (सप्तम् संस्करण) पाठ 26से 41 तक	2	–	1	1
●	सामाजिक समरसता और हमारे संत	2	–	–	1
●	हमारे छत्रसाल	1	1	–	–
	कुल	12	5	3	3

समूह–ङ

(1) एकल भजन गायन प्रतियोगिता–

1. भजन किसी भी भाषा अथवा बोली में हो सकता है। वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जा सकता है।
2. भजन फिल्मी पैरोडी पर आधारित न हो।
3. समय 4 मिनट रहेगा।

निर्णय पत्रक–

बिन्दु	स्वर	उच्चारण शुद्धता	लय/ताल	प्रस्तुतिकरण	श्रोताओं पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

(2) स्वरचित कविता प्रतियोगिता–ङ वर्ग

प्रतियोगिता स्थल पर तीनों वर्गों को 1 घंटे पूर्व एक–एक पंक्ति अथवा शीर्षक निर्णायक द्वारा निश्चित कर दिया जाएगा। जिन पर प्रतिभागियों को अपनी रचनाएँ लिखकर निर्धारित समय पर निर्णायक के समक्ष प्रस्तुत कर उनका वाचन भी करना होगा। विषय मिलने के बाद प्रतियोगिता कक्ष से बाहर जाने की अनुमति प्रतिभागियों को प्रतियोगिता संपन्न होने तक नहीं होगी।

निर्णय पत्रक–

बिन्दु	विषय	शब्द शिल्प	भाव गंभीरता	प्रस्तुतिकरण (वाचन)	श्रोताओं पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

(3) वन्देमातरम् गायन प्रतियोगिता–ङ वर्ग

1. प्रत्येक दल में कुल 3 भैया/बहिन होंगे। अपरिहार्य कारण पर ही दल में कम से कम दो प्रतिभागियों को शामिल किया जावेगा। वाद्य यंत्रों के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी।
2. गीत की लय अर्चना भाग–4 नामक ध्वनि मुद्रिका (कैसेट) के अनुसार रहेगी। प्रतियोगिता संपन्न होने से पूर्व निर्णायकों को यह ध्वनि मुद्रिका सुनवाने की व्यवस्था आयोजक विद्यालय द्वारा की जाए।

निर्णय पत्रक–

बिन्दु	स्वर	सांघिकता/प्रस्तुतिकरण	लय	भाव	श्रोताओं पर प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

(4) मानस अंताक्षरी प्रतियोगिता– घ वर्ग

1. प्रत्येक दल में तीन भैया/बहिन रहेंगे।
2. प्रत्येक वर्ग में एक दल ही भाग ले सकेगा।
3. उत्तर देने का समय 30 सेकण्ड रहेगा।
4. प्रतियोगिता केवल रामचरित मानस पर ही सीमित रहेगी। गीता प्रेस गोरखपुर द्वारा मुद्रित रामचरित मानस ही निर्णय में आधार मानी जाएगी।
5. दलों का क्रम प्रतियोगिता स्थल पर चिट उठाकर तय होगा।
6. प्रथम दल संचालक द्वारा प्रारंभ पंक्तियों के अंतिम शब्द के अंतिम अक्षर से प्रारंभ होगा।
7. छंद की चार पंक्तियां, श्लोक, दोहा तथा सोरठा पूर्ण एवं चौपाई के दो चरण सुनाने होंगे।
8. एक प्रतिभागी द्वारा कही गई रचना उसी वर्ग के किसी दल द्वारा किसी भी चक्र में पुनः स्वीकार्य नहीं होगी।
8. प्रथम दल की प्रस्तुत रचना के अंतिम शब्द के अंतिम अक्षर से अगले दल को रचना प्रस्तुत करना है। जैसे–
   सकल सुमंगल दायक रघुनायक गुणगान।
   सादर सुनहिं ते तरहि भव सिंधु जलजान।।
   में अगले दल को 'न' अक्षर से कविता प्रारंभ करना होगी।
9. स, श, ष आने पर इनमें से किसी का भी प्रयोग किया जा सकता है। ष जहाँ ख के अर्थ में आया है ख माना जाएगा।
10. व, ब आने पर इनमें से किसी का भी प्रयोग किया जा सकता हैं।
11. अंत में ड़ या ढ़ आने पर क्रमशः ड और ढ का प्रयोग किया जा सकता है।
12. प्रथम चक्र में प्रत्येक दल को 10 बार, द्वितीय चक्र में 8 बार, तृतीय चक्र में 3 बार एवं इसके बाद के चक्रों में एक–एक बार निर्णय होने तक अवसर प्राप्त होंगे।
13. प्रथम चक्र में सभी दल एवं अगले चक्रों में केवल समान अंक वाले दल सम्मिलित होंगे।
14. किसी दल द्वारा प्रस्तुति में असमर्थ रहने पर या अशुद्ध प्रस्तुति पर 30 सेकण्ड पश्चात् उसी अक्षर से अगले दलों को क्रमशः अपनी प्रस्तुति करनी होगी।
15. प्रत्येक सही प्रस्तुति हेतु एक अंक। गलत, अपूर्ण अथवा अशुद्ध प्रस्तुति को शून्य अंक मिलेंगे।
16. किसी भी दल द्वारा रचना प्रस्तुत न हो सकने की दशा में पूर्व से वर्णाक्षर लिखी पर्चियों में से निर्णायक द्वारा एक पर्ची उठाकर उस दल को नया अक्षर दिया जावेगा। नया अक्षर मिलने पर 30 सेकण्ड का समय दिया जाएगा।
17. निर्णायक द्वारा ही अंतिम रूप से पाठ की शुद्धता का निर्णय दिया जावेगा जो सभी को मान्य होगा।

समूह–घ

(1) शास्त्रीय गायन–

- समय सीमा 10 मिनट।
- गायन ख्याल पद्धति पर ही होगा।
- तानपुरा/हारमोनियम तथा तबले के लिए अधिकतम दो संगत कलाकार साथ ला सकते हैं। (ये कलाकार किसी भी आयु के हो सकते हैं। प्रतियोगिता में इनका शुल्क रहेगा परंतु प्रमाण–पत्र या पुरस्कार इन्हें नहीं दिया जाएगा।)

इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा प्रयोग किया जा सकता है।

बिन्दु	स्वर	ताल	राग	प्रस्तुति	प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

(2) शास्त्रीय नृत्य–

- समय सीमा 10 मिनट।
- नृत्य कत्थक चयन करना है।
- दो संगत कलाकार तथा बोल के लिए अन्य कलाकार कुल 3 कलाकार ला सकते हैं। (ये कलाकार किसी भी आयु के हो सकते हैं।) प्रतियोगिता में इनका शुल्क रहेगा परंतु प्रमाण या पुरस्कार इन्हें नहीं दिया जाएगा ध्वनि मुद्रिका (कैसेट) का प्रयोग वर्जित है।

बिन्दु	ताल	अभिनय	वेश	प्रस्तुति	प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

(3) तबला वादन–

- समय सीमा 10 मिनट
- एक संगत कलाकार लहरे/नगमा के लिए ला सकते हैं। (ये कलाकार किसी भी आयु के हो सकते हैं। प्रतियोगिता में इनका शुल्क रहेगा। परंतु प्रमाण–पत्र या पुरस्कार इन्हें नहीं दिया जाएगा।)
- इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा प्रयोग किया जा सकता है।

(4) एकल अभिनय–

- समय सीमा 5 मिनट रहेगी। सांस्कृतिक मर्यादा का ध्यान रखें। शराबी या भिखारी आदि का अभिनय न करें।
- एकल अभिनय में पात्र एवं विषय का चयन प्रतिभागी स्वयं करेंगे।
- संवाद या पार्श्व संगीत के लिए किसी संगत कलाकार या टेप रिकार्डर का उपयोग वर्जित है।

बिन्दु	अभिनय	वेश	विषय चयन	प्रस्तुति	प्रभाव	योग
अंक	10	10	10	10	10	50

पत्र वाचन आचार्य वर्ग

(केवल आचार्यो के लिए)

विषय–विश्व शांति में भारत की भूमिका

नियम–

1. इस कार्यक्रम में प्रत्येक विभाग से एक आचार्य उपरोक्त विषय पर दृश्य श्रव्य माध्यमों का प्रयोग करते हुए अपना पत्र वाचन करेंगे। प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त आचार्य क्षेत्र में अपनी प्रस्तुति देंगे।
2. प्रत्येक स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी पुरस्कृत किए जावेंगे।
3. प्रत्येक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी आगे की प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे।
4. समय सीमा 7 से 10 मिनिट।
5. माध्यम–हिन्दी अथवा अंग्रेजी ।
6. मूल्यांकन–
   - (1) तथ्य संग्रह एवं विषय सामग्री – 10 अंक
   - (2) अभिव्यक्ति तथा उच्चारण – 10 अंक
   - (3) प्रस्तुति एवं दृश्य श्रव्य प्रयोग – 10 अंक
   - (4) प्रश्नोत्तर – 10 अंक
   - कुल – 40 अंक

(5) अपने पत्र वाचन की लिखित न्यूनतम 3 प्रतियाँ एवं चित्रमय सामग्री देना आवश्यक है।

अखिल भारतीय पत्र वाचन–भैया–बहिनों के लिए

नियम–

1. पत्र वाचन चार वर्गों में आयोजित किया जाएगा–
   (क) शिशु वर्ग – कक्षा चतुर्थी एवं पंचमी
   (ख) बाल वर्ग – कक्षा षष्ठी, सप्तमी एवं अष्टमी
   (ग) किशोर वर्ग – कक्षा नवमीं एवं दशमी
   (घ) तरुण वर्ग – कक्षा एकादश एवं द्वादश
   उपरोक्त चारों वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।
2. प्रत्येक स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी पुरस्कृत किए जावेंगे।
3. प्रत्येक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी आगे की प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे।
4. इस प्रतियोगिता में शिशु, बाल, किशोर एवं तरुण इन चार वर्गों में प्रत्येक स्तर पर प्रथम आने वाले भैया/बहिन अगले स्तर के पत्र वाचन में अपने वर्ग के किसी एक विषय पर अपने परिपत्र या लेख का वाचन निम्नलिखित विषयों में से करेगा–
   (क) शिशु वर्ग – लव कुश, ध्रुव प्रहलाद बनें।
   (ख) बाल वर्ग – पर्यावरण संरक्षण के लिए हम क्या कर सकते हैं।
   (ग) किशोर वर्ग – संचार माध्यमों का समाज जीवन में प्रभाव
   (घ) तरुण वर्ग – वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत के बढ़ते चरण
5. पत्र वाचन हेतु समय इस प्रकार रहेगा–
   (क) शिशु वर्ग – 5 से 7 मिनट
   (ख) बाल वर्ग – 5 से 7 मिनट
   (ग) किशोर वर्ग – 6 से 8 मिनट
   (घ) तरुण वर्ग – 6 से 8 मिनट
6. पत्र वाचन की विषय सामग्री के आलेख की तीन प्रतियाँ निर्णायकों के लिए तैयार करके लाएं ताकि प्रस्तुति के समय उन्हें दी जा सके।
7. पत्र वाचन का मूल्यांकन–
   (1) विषय सामग्री – 10 अंक
   (2) दृश्य–श्रव्य सामग्री का उपयोग – 5 अंक
   (3) प्रस्तुति एवं समय सीमा – 10 अंक
   (4) प्रश्नोत्तर – 5 अंक
   कुल – 30 अंक
8. माध्यम–हिन्दी अथवा अंग्रेजी

प्रतियोगिता संबंधी व्यवस्थाएँ–

1. व्यवस्था संबंधी निर्देशों का पालन विद्यालय से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक समान रहेगा।
2. प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए अलग–अलग आचार्यों को स्वतंत्र रूप से दायित्व सौंपा जाए।
3. प्रतियोगित प्रारंभ होने से 15 मिनट पूर्व निर्धारित कक्षा में उपस्थित होकर आचार्यगण निम्नांकित दायित्व संपन्न करेंगे।
4. श्यामपट पर प्रतियोगिता का नाम, समय, दिनांक एवं वर्ग का उल्लेख किया जाए, कार्यक्रम की समयावधि भी अंकित करें।
5. प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को प्रवेश पत्र देकर प्रवेश दें। परंतु प्रतियोगिता के समय प्रतिभागी अपनी प्रवेशिका प्रदर्शन नहीं करेंगे। न ही निर्णायक को भैया–बहिन के नाम के आगे विद्यालय का नाम दिया जावे ताकि निर्णय में पारदर्शिता रहे।

6. प्रतिभागियों की बैठक की वर्गशः व्यवस्था हो।
7. प्रतियोगिता संबंधी नियम जिनका पत्रक में उल्लेख है, भैया–बहिनों को प्रतियोगिता प्रारंभ होने के पूर्व पढ़कर दोहराएं।
8. प्रतियोगिता में लगने वाली सामग्री का वितरण करें।
9. चित्रकला तथा निबंध प्रतियोगिता की सामग्री तत्काल निर्णायकों को देवें।
10. निर्णय की अधिकृत जानकारी प्राप्त कर तत्काल प्रमाण–पत्र लेखक को सौंप दें।
11. बौद्धिक प्रश्नमंच के प्रश्न कार्ड, पोस्ट कार्ड साईज में रहेंगे तथा शिशु वर्ग के लिए सफेद, बाल वर्ग के लिये पीले एवं किशोर वर्ग के लिए गुलाबी एवं तरूण वर्ग के लिए हरे रंग के कार्ड होंगे। उपलब्धता के आधार पर यह प्रतियोगिता प्रोजेक्टर के माध्यम से कराई जावे।
12. परिचय पत्र, परिणाम पत्रक व प्रमाण पत्र में बौद्धिक प्रमुख प्रतियोगिता प्रभारी के रूप में हस्ताक्षर करेंगे।
13. परिणाम की सूचना परिणाम पत्रक तैयार कर रहे आचार्य को निम्न शीर्षकों के अंतर्गत दे दें।

परिणाम पत्रक के शीर्षक–

वर्ग	प्रतियोगिता का नाम	प्रतिभागी का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	जिला	विभाग	प्रांत

प्रतिभागियों का नामांकन एवं सहभागिता–

0 परिसर में प्रवेश करते ही संरक्षक आचार्य दीदी प्रतिभागी का नामांकन आयोजन स्थल पर करावें तथा निर्धारित शुल्क जमा कर पावती लें।

0 नामांकन होते ही प्रवेशिका प्राप्त करें तथा उसे सदैव लगाए रखें।

0 प्रतिभागी के परिचय पत्र (फोटो) सहित लाएं। जिला स्तर से ही इस प्रकार का रिकार्ड दो प्रतियों में तैयार करवा लिया जाए।

0 समस्त प्रतिभागियों की सूची (परिणाम पत्रक में दिए गए शीर्षक के आधार पर) तैयार करके कार्यालय में जमा कर दें।

आयोजन स्थल पर लगने वाली प्रदर्शनी के संबंध में–

0 प्रदर्शनी का आयोजन पृथक से पंडाल में विद्यालय, जिला, विभाग एवं प्रांत स्तर पर भी किया जाए।

1. स्वदेशी प्रदर्शनी–स्वदेशी वस्तुओं की सूची टांगे तथा वे किस स्थान से प्राप्त की जा सकती है, उसकी सूची भी दें, ताकि दर्शकों को पूर्ण जानकारी मिल सके।
2. 112 चित्रों की प्रदर्शनी–विद्या भारती (अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान) कुरूक्षेत्र द्वारा प्रकाशित 112 चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाए।
3. साहित्य स्टॉल–प्रेरणादायक पुस्तकों को विक्रय हेतु रखा जाए। इस संबंध में प्रांतीय वस्तु भंडार से भी संपर्क किया जा सकता है।

आलोक–

प्रत्येक प्रतिभागी को वंदना, एकात्मता स्तोत्र, प्रातः स्मरण एवं भोजन मंत्र याद करके आना है। इस वर्ष से प्रश्नमंच में भी इस पर आधारित प्रश्न शामिल किए गए हैं।

(डॉ. संतोष अवधिया)
प्रादेशिक सचिव

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित

Organised By Vidya Bharti Sanskriti Shiksha Sansthan

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच

परिचय–पत्र

फोटो

वर्गः शिशु / बाल / किशोर तरुण .....

1. प्रतिभागी का नाम (Name of Participant) .....
2. पिता का नाम (Father's Name) .....
3. जन्मतिथि (Date of Birth in Figures) .....
   शब्दों में (In words).....
4. कक्षा (Class) ..... विद्यालय में प्रवेश तिथि (Date of Admission in school) .....
5. विद्यालय का पूर्ण पता .....
   .....पिन .....
   (Full Name and Address of the institution).....
   ..... Pin .....
   दूरभाष (Phone Number) ..... विद्यालय.....निवास.....
6. प्रतिभागी के हस्ताक्षर (Sign of Participants) .....
7. कक्षाचार्य के हस्ताक्षर (Sign of Class Teacher) .....
8. प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर (Sign of Principal) .....
9. प्रांतीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख / मंत्री / संगठन मंत्री के हस्ताक्षर (Sign of Prantiya S.B.P. Pramukh/Mantri/ Sanghthan Mantri) .....
10. क्षेत्रीय बोध परियोजना प्रमुख / मंत्री / संगठन मंत्री के हस्ताक्षर (Sign of Kahetriya S.B.P. Pramukh/Mantri/Sanghthan Mantri) .....
11. परिणाम–

जिला	
प्रतियोगिता	परिणाम
1.	
2.	
3.	
ह. संयोजक	
दिनांक	

विभाग	
प्रतियोगिता	परिणाम
1.	
2.	
3.	
ह. संयोजक	
दिनांक	

प्रांत	
प्रतियोगिता	परिणाम
1.	
2.	
3.	
ह. संयोजक	
दिनांक	

क्षेत्र	
प्रतियोगिता	परिणाम
1.	
2	
3.	
ह. संयोजक	
दिनांक	